



भारत की आसियान से मतिरता

यह एडिटरियल 17/11/2022 को 'फाइनेंशियल एक्सप्रेस' में प्रकाशित "India's ASEAN challenge" लेख पर आधारित है। इसमें भारत-आसियान संबंधों और इससे संबद्ध चुनौतियों के बारे में चर्चा की गई है।

संदर्भ

[हिंदि-प्रशांत क्षेत्र](#) (Indo-Pacific region) में बहुआयामी विकास और हस्तक्षेप की पृष्ठभूमि में पछिले कुछ दशकों में भारत की वदिश नीति में व्यापक परिवर्तन आया है।

1990 के दशक में '[लुक ईस्ट पॉलिसी](#)' के साथ शुरुआत करते हुए भारत ने वर्ष 2014 में 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के रूप में अपनी नीतिको आगे बढ़ाया है जहाँ वह [दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन](#) (Association of Southeast Asian Nations- ASEAN) के साथ अपनी साझेदारी को एक कदम और आगे ले जा रहा है, जिसने भारत को दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में संभावनाओं की तलाश करने का एक अवसर प्रदान किया है।

चूँकि कई भू-राजनीतिक चुनौतियाँ मौजूद हैं जो सुचारू भारत-आसियान पारगमन को अवरुद्ध करती हैं, इसलिये यह प्रदर्शति करना महत्त्वपूर्ण है कि भारत की '[एक्ट ईस्ट नीति](#)' आसियान की संभावनाओं से कैसे संगत होती है और भारत-आसियान संबंधों में वदियमान चुनौतियों पर कैसे काबू पाती है।

ASEAN GROUPING



//

आसियान (ASEAN) क्या है?

- आसियान 10 देशों का समूह है जिसे दक्षिण-पूर्व एशिया के सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक माना जाता है।
 - इसमें इंडोनेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, लाओस, ब्रुनेई, फिलीपींस, सिंगापुर, कंबोडिया, मलेशिया और म्यांमार शामिल हैं।
- आसियान देश हृदि-प्रशांत क्षेत्र के रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण मलिन-बहुिओं पर स्थिति हैं जो आसियान को क्षेत्रीय और वैश्विक शक्तियों, दोनों के लिये एक केंद्र बढि बनाता है।

भारत और आसियान के बीच सहयोग के क्षेत्र

- **आर्थिक सहयोग:** आसियान भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। भारत ने आसियान के साथ वर्ष 2009 में वस्तुओं पर और वर्ष 2014 में सेवाओं एवं नविश पर एक [मुक्त व्यापार समझौते](#) (Free Trade Agreement- FTA) पर हस्ताक्षर किये।
 - भारत और आसियान ने एक संयुक्त वक्तव्य भी अंगीकार किया है जहाँ मौजूदा रणनीतिक भागीदारी को व्यापक रणनीतिक भागीदारी (Strategic Partnership to Comprehensive Strategic Partnership) में उन्नत करने की घोषणा की गई है।
- **शांति और सुरक्षा:** दोनों पक्षों ने हृदि-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता, समुद्री सुरक्षा और हवाई क्षेत्र से उड़ान भर सकने की स्वतंत्रता को बनाए रखने तथा उसे बढ़ावा देने के महत्त्व की पुष्टि की है।
- **वित्तीय सहायता:** भारत आसियान-भारत सहयोग कोष (ASEAN-India Cooperation Fund) और आसियान-भारत ग्रीन फंड जैसे वभिन्न तंत्रों के माध्यम से भारत आसियान देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- **कनेक्टिविटी/संपर्क:** भारत इस क्षेत्र में भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय (IMT) राजमार्ग और [कलादान मल्टीमॉडल परियोजना](#) जैसी कई

कनेक्टविटी परियोजनाएँ कार्यान्वयित कर रहा है।

- भारत और आसियान देशों ने हाल ही में कंबोडिया में आयोजित [19वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन](#) में एक व्यापक रणनीतिक भागीदारी (comprehensive strategic partnership) स्थापित कर अपने संबंधों को एक नई ऊर्जा प्रदान की है।

आसियान से संबंधित प्रमुख चुनौतियाँ

- **प्रादेशिक विवाद:** आसियान सदस्य देश लंबे समय से इच्छुक शक्तियों के साथ क्षेत्रीय विवादों में उलझे हुए हैं। उदाहरण के लिये, दक्षिण चीन सागर में विभिन्न क्षेत्रों पर चीन के दावों के विरुद्ध ब्रुनेई, दारुससलाम, मलेशिया, फिलीपींस और वियतनाम के भी अलग-अलग प्रतिसिपर्द्धी दावे मौजूद हैं।
- **हृदि-प्रशांत प्रतदिवंद्वति:** लंबे समय से चीन को प्राथमिक आर्थिक भागीदार और अमेरिका को प्राथमिक सुरक्षा गारंटर के रूप में देखना आसियान संतुलन के केंद्र में रहा है।
 - लेकिन वर्तमान में वह संतुलन बगिड़ रहा है और रूस-यूक्रेन युद्ध ने इस तनाव को और बढ़ा दिया है। हृदि-प्रशांत क्षेत्र में प्रमुख शक्तियों की प्रतदिवंद्वति के तेज़ होने से उस अंतरनहिति स्थिरता को खतरा पहुँच रहा है, जिस पर क्षेत्रीय विकास और समृद्धि टिकी हुई है।
- **अस्थिर भू-अर्थशास्त्र:** हृदि-प्रशांत क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव भू-आर्थिक परिणाम उत्पन्न कर रहा है जहाँ व्यापार एवं प्रौद्योगिकीय सहयोग के साथ-साथ आपूर्ति शृंखला प्रत्यास्थता के मुद्दे चरम पर हैं।
 - यह परिदृश्य ऐसे समय बन रहा है जब आसियान इन चुनौतियों के प्रबंधन के संबंध में एक आंतरिक रूप से विभाजित संगठन बना हुआ है।
- **भारत-आसियान चुनौती:** आसियान देशों के साथ विभिन्न द्विपक्षीय सौदों को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है, जिससे आर्थिक संबंधों के विभिन्न पहलू अव्युद्ध बने हुए हैं।
 - भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग जैसी विभिन्न कनेक्टविटी परियोजनाओं के लिये भारत की प्रतबिद्धता के बावजूद, वे अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। इसके विपरीत, चीन का 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' विभिन्न आसियान देशों का भरोसा प्राप्त कर रहा है।

आगे की राह

- **प्रत्यास्थ आपूर्ति शृंखला का निर्माण:** आसियान और भारत के बीच मूल्य शृंखलाओं के संबंध में वर्तमान संलग्नता पर्याप्त नहीं है। आसियान और भारत उभरते हुए परिदृश्य का लाभ उठा सकते हैं तथा नई एवं प्रत्यास्थ आपूर्ति शृंखलाओं के निर्माण के लिये एक दूसरे का समर्थन कर सकते हैं।
 - हालाँकि, इस अवसर का लाभ उठा सकने के लिये आसियान और भारत को अपनी लॉजिस्टिक्स सेवाओं का उन्नयन करना होगा और परिवहन अवसंरचना को सुदृढ़ बनाना होगा।
- **हृदि-प्रशांत में समुद्री सुरक्षा:** हृदि-प्रशांत क्षेत्र की समुद्री सुरक्षा भारत के साथ-साथ आसियान के हितों की सुरक्षा के लिये महत्त्वपूर्ण है।
 - दोनों पक्षों को समुद्री पर्यावरण को क्षति पहुँचाए बिना संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करने की ज़रूरत है। महासागर की क्षमता का संवहनीय तरीके से दोहन करने के लिये उन्हें प्रबल एवं ज़िम्मेदार पहल करने की आवश्यकता है।
 - इसके साथ ही, आसियान को दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में मौजूद विवादों को हल करने के लिये [संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून अभिसमय](#) (UN Convention for the Law of the Sea-UNCLOS) के सिद्धांतों पर बल देना चाहिये।
- **क्षेत्रीय पर्यटन:** भारत और आसियान को क्षेत्रीय पर्यटन तथा लोगों के आपसी संपर्क को बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिये जहाँ पहले से ही एक सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंध मौजूद है।
- **'एक्ट-ईस्ट पॉलिसी' का क्रियान्वयन:** साझा चर्चाओं पर पारस्परिकता एवं आपसी समझ आसियान और भारत दोनों को कुछ चुनौतियों से उबरने में मदद करेगी।
 - डिजिटलीकरण, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, शिक्षा और हरित विकास के क्षेत्र में समन्वय के माध्यम से भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी की क्षमताएँ साकार हो सकेंगी।

अभ्यास प्रश्न: एक खुले और मुक्त हृदि-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने में भारत के लिये आसियान के महत्त्व पर विचार कीजिये।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

1999-2000

Q 1. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिये: (वर्ष 2018)

1. ऑस्ट्रेलिया
2. कनाडा
3. चीन
4. भारत
5. जापान
6. अमेरीका

उपर्युक्त में से कौन आसियान के 'मुक्त-व्यापार भागीदारों' में से हैं?

- (A) 1, 2, 4 और 5
(B) 3, 4, 5 और 6
(C) 1, 3, 4 और 5
(D) 2, 3, 4 और 6

उत्तर: (C)

Q 2. 'क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी' शब्द अक्षर अक्षर समाचारों में देशों के एक समूह के मामलों के संदर्भ में प्रकट होता है: (वर्ष 2016)

- (A) जी20
(B) आसियान
(C) एससीओ
(D) सार्क

उत्तर: (B)

????? ???? ???? ?

शीत युद्ध के बाद के अंतरराष्ट्रीय परदृश्य के संदर्भ में भारत की पूर्वोन्मुख नीतिके आर्थिक और रणनीतिक आयामों का मूल्यांकन करें। (वर्ष 2016)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-s-asean-bonhomie>

